



आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित



Adhunik Samachar



सोफिया सिंह ने मिस एशिया पैसिफिक इन्टरनेशनल 2024 का अवार्ड जीता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

SOPHIA SINGH
MISS ASIA PACIFIC INTERNATIONAL 2024
TOP 20, CONTINENTAL QUEEN FOR ASIA

रोजगार मेलें में कुल 47 अभ्यर्थियों का चयन



(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
प्रयागराज। मंगलवार को नैनी और्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें इंडो विजन कंपनी ने पदों पर कम्पनियों द्वारा कुल 47 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। इस अवसरे पर सेवायोजन अधिकारी श्री प्रभाकर तिवारी, प्रदीप झाम्मद कौसर, रोहित शुक्ला, अधिकर्ता विनय पांडे, श्रीतला प्रसाद, सुधांशु शर्मा, प्रीतिपांडे, श्रीकांत आदि उपस्थित रहे।

मानपुर गांव में अनुसूचित मोर्चा ने चलाया सदस्यता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

बूथ अध्यक्ष सेक्टर 35यक्ष एवं अन्य प्रभारी को इसकी जिम्मेदारी दी गई है अपने क्षेत्र में मिल जिम्मेदारियां का निर्माण करते हुए अधिक से अधिक भाजपा सदस्यता अभियान घर-घर पहुँचकर किया जा रहा है वहीं अनुसूचित मोर्चा के जोड़ने का काम करे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेप्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेप्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेप्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील

प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी,

कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेप्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेप्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश



मिहाला

सोनभद्र

लक्ष्मण ने काटी सूपर्णखा की नाक, रावण ने किया सीता का हरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वर्क)

सोनभद्र। श्री रामलीला समिति

सोनभद्र नगर द्वारा आयोजित

रामलीला के छठे दिन प्रयागराज

व खर-दूषण वथ, सीताहरण का

जीवंत मचन किया। पूरा पांडल

दर्शकों से खचाखच भरा रहा। बीच-

बीच में श्रीराम के जयकरे लगते

रहे। इसके पूर्व दोपहर में नगर के

रामसरोर तालाब पर प्रभु श्री राम-

माता जानकी भाग्ना लक्ष्मण के साथ

गंगा के तट केवर के द्वारा पार करने

की लीला दिखाई गई। इस मर्ज़ी

लीला को देखने के लिए नगर की

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की काफी

भीड़ रामसरोर तालाब के चारों

तरफ जुटी हुई थी। लीला शुरू होते

ही वहां पर सभी श्रद्धालुओं को आंखें

प्रभु के इस चरूमिति की निहार रही

थी। इस अवसर पर समिति के

अध्यक्ष पन्न कुमार जैन, राकेश

गुप्ता, कृष्ण मुरारी गुप्ता, प्रमोद

गुप्ता, प्रशांत जैन, बलराम सोनी,

विनोद कनोडिया, चंदन कंसरी दीपू

पटेल, राजू, रामेश्वर स्वर्णसेवक सघ

के जिला प्रचारक राहुल, नगर

कार्यवाह महेश, वरिष्ठ अधिकारी

गिरजा शंकर द्विवेदी, मिठाई लाल

सोनी, राकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता,

दीपू पटेल सहित अन्य लोगों

उपस्थित रहे।



म्योरपुर में खुले आदिवासी महिला डिग्री कॉलेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वर्क)

दुधरी, सोनभद्र। बुधवार को

सरकारी उच्च शिक्षा का समर्पित

इंतजाम न हाने के कारण आदिवासी

विजय सिंह गोड़ से मिलकर अपना

ज्ञापन सौंपा। युवा मंच की संयोजक

समिति गोड़, ओवरा डिग्री कॉलेज

की छात्र नेता गुन्जा गोड़, सुगंवंती

युवा मंच नेताओं ने कहा कि केंद्र

की सरकार आदिवासियों के साथ

छल कर रही है। अभी ज्ञारबंड में

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष

महाअभियान पीएम द्वारा शुरू किया

गया। इसमें कहा गया कि 83000

करोड़ की 17 परियोजनाओं को देश

में 500 से भी ज्यादा जिलों में

आदिवासियों के विकास के लिए

लागू किया जाएगा। जबकि केंद्र

सरकार द्वारा जनजाति सब घटना

में मनरेगा, शिक्षा-स्वास्थ्य, रोजगार

और सामाजिक सुरक्षा के मदों में

भारी कमी की गई है। आदिवासी

कल्याण के सरकारी योग्याता के

सच को एक उदाहरण से समझा

जा सकता है पूरी देश में आदिवासी

छात्राओं के लिए छात्रावास की

व्यवस्था के लिए आदिवासी सब

प्लान में महज 10 लाख रुपए

आवंटित किए गए। वहीं दूसरी

तरफ जनजाति सब लान का

करोड़ों रुपए हाईर्से बेलीकॉम,

सेमीकंडक्टर नियमण, टेली जीवी,

सीर ऊर्जा आदि कॉर्पोरेट घरानों

को सीधे मदद पहुंचाने वाली

योगदान करने की इच्छा के बावजूद

शिक्षा से विचल होना पड़ रहा है।

युवा नेताओं ने दुद्धी विद्यायक से अपील

की कि वह विद्यानसभा में यहां

आदिवासी बच्चों की शिक्षा के

सवाल को उठाएं और उत्तर प्रदेश

सरकार से कहें कि वह तकाल

आदिवासियों बच्चों की शिक्षा के

सवाल को हल करें।

बाल तस्करो के चिन्हाकन हेतु चलाया जायेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वर्क)

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस

बाल संवर्धन इकाई सोनभद्र से ओ

आर डिल्यू शेपिण दुबे और राजकुमारी

गोड़ ने दिए ज्ञापन में कहा कि

आदिवासी बाल्य दुर्दी है सिंधा

का बुरा हाल है। बेंद कम सरकारी

इंटर कॉलेज और एक सरकारी डिग्री

कॉलेज होने के कारण बच्चों समाज

में योगदान करने की इच्छा के बावजूद

शिक्षा से विचल होना पड़ रहा है।

युवा नेताओं ने दुद्धी विद्यायक से अपील

की कि वह विद्यानसभा में यहां

आदिवासी बच्चों की शिक्षा के

सवाल को उठाएं और उत्तर प्रदेश

सरकार से कहें कि वह तकाल

आदिवासियों बच्चों की शिक्षा के

सवाल को हल करें।

बाल तस्करो के चिन्हाकन हेतु चलाया जायेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वर्क)

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस

बाल संवर्धन इकाई सोनभद्र से ओ

आर डिल्यू शेपिण दुबे और राजकुमारी

गोड़ ने दिए ज्ञापन में कहा कि

आदिवासी बाल्य दुर्दी है सिंधा

का बुरा हाल है। बेंद कम सरकारी

इंटर कॉलेज और एक सरकारी डिग्री

कॉलेज होने के कारण बच्चों समाज

में योगदान करने की इच्छा के बावजूद

शिक्षा से विचल होना पड़ रहा है।

युवा नेताओं ने दुद्धी विद्यायक से अपील

की कि वह विद्यानसभा में यहां

आदिवासी बच्चों की शिक्षा के

सवाल को उठाएं और उत्तर प्रदेश

सरकार से कहें कि वह तकाल

आदिवासियों बच्चों की शिक्षा के

सवाल को हल करें।

बाल तस्करो के चिन्हाकन हेतु चलाया जायेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वर्क)

सोनभद्र। जिलाधिकारी व पुलिस

बाल संवर्धन इकाई सोनभद्र से ओ

आर डिल्यू शेपिण दुबे और राजकुमारी

गोड़ ने दिए ज्ञापन में कहा कि

आदिवासी बाल्य दुर्दी है सिंधा

का बुरा हाल है। बेंद कम सरकारी

इंटर कॉलेज और एक सरकारी डिग्री

कॉलेज होने के कारण बच्चों समाज

में योगदान करने की इच्छा के बावजूद

शिक्षा से विचल होना पड़ रहा है।

युवा नेताओं ने दुद्धी विद्यायक से अपील

की कि वह विद्यानसभा में यहां

आदिवासी बच्चों की शिक्षा के

सवाल को उठाएं और उत्तर प्रदेश

सरकार से कहें कि वह तकाल

आदिवासियों बच्चों की शिक्षा के

सम्पादकीय

वोटरों ने भाजपा को दी
बूस्टर डोज, कांग्रेस के
हाथ फिर लगी हताशा

भाजपा को बहुत बड़ा फायदा अहीरवाल क्षेत्र, जिसमें गुडगांव, रेवाडी, महेंद्रगढ़ और नारनौल जिले आते हैं, मैं हो रहा है। भाजपा वर्ष 2014 से अहीरवाल क्षेत्र में मजबूत रही है। इसका एक बड़ा कारण केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी हैं। राव इंद्रजीत सिंह जब तक कांग्रेस में थे, तब तक अहीरवाल क्षेत्र में कांग्रेस मजबूत थी, वो जब से भाजपा में आए हैं, इस क्षेत्र में भाजपा मजबूत हो गई है। एकिजट पोल एकबार फिर फेल साबित हुए। हरियाणा विधानसभा चनाव में सभी भविष्यवाणियों को

युनाप न सना भावधाराजपा का झटलते हुए भाजपा जीत की हॉटिक लगाती दिख रही है। सुबह शुरुआती रुझानों में भले भाजपा कांग्रेस से बहुत पीछे थी, लेकिन सुबह साढ़े नौ बजे के बाद उसने ऐसा कमबैक किया, जिसने सभी राजनीतिक पिंडियों को चौंका दिया। हरियाणा के रुझान यदि नीतीजों में बदलते हैं तो भाजपा को एक बस्टर डोज यहां से मिलने वाली है। एक नए उत्साह का संचार पार्टी में होने वाला है। निश्चित ही इसका प्रभाव आगामी महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। खत्री पजाबी के बजाय ओबीसी पर दांव लगाया था। तब यह माना जा रहा था कि सैनी को बलि का बकरा बना दिया गया है, लेकिन अब रुझानों से साफ हो गया है कि भाजपा का ओबीसी कार्ड सही साबित हुआ। भाजपा को बहुत बड़ा फायदा अहीरवाल क्षेत्र, जिसमें गुडगांव, रेवाडी, महेंद्रगढ़ और नारनौल जिले आते हैं, में हो रहा है। भाजपा वर्ष 2014 से अहीरवाल क्षेत्र में मजबूत रही है। इसका एक बड़ा कारण केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी है। राव इंद्रजीत सिंह जब तक कांग्रेस में थे, तब तक अहीरवाल क्षेत्र में कांग्रेस मजबूत थी, वो जब से भाजपा में आए हैं, इस क्षेत्र में भाजपा मजबूत हो गई है। कांग्रेस को पिछले चुनाव में जाट क्षेत्र, जिसमें रोहतक, झज्जर और सोनीपत आते हैं, से काफी अच्छा समर्थन मिला था। इन जिलों में जाट मतदाताओं की संख्या 30 प्रतिशत से अधिक है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड़ा का यह प्रभाव वाला क्षेत्र है। हुड़ा के कारण कांग्रेस पिछली चुनाव में 31 सीटें जीतने में सफल रही थी, लेकिन केवल जाट वोटों के सहारे के दलित वोट में सेंध लगा दी है। ऐसे में कुमारी शैलजा का महत्वान्वयिता कांग्रेस में बढ़ाने वाला है, क्योंकि कांग्रेस अब केवल भूपेंद्र सिंह हुड़ा के भरोसे हरियाणा को नहीं जीता सकती, यह बात उसे समझ में आ रही होगी। भाजपा की सोशल लेफेयर स्कीम्स और महिलाओं को लेकर चलाई जा रही योजनाओं ने काफी काम किया है। महिलाओं का ऐसा विषय है, जिसे किसी भी सर्व या एकिंजट पोल ने उस तरीके से नहीं उठाया, जैसा उठाया जाना चाहिए था। यह माना जा रहा है कि महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में बिना शोर मचाए गोते किया है, जैसा मध्य प्रदेश में देखें को मिल था। एक और मुद्दा जो राहुल गांधी ने अपनी हर सभा में उठाया, वो अग्निवीर स्कीम कहा है। हरियाणा में इस मुद्दे का इसलिए भी बड़ा बताया जा रहा था, क्योंकि हरियाणा से सेना में बड़ी संख्या में लोग जाते हैं। अग्निवीर का मुद्दा थोड़ा थीमिया होगा, यह दिख रहा है। किसानों या पहलवान के मुद्दे भी कांग्रेस वे बहुत काम नहीं आए हैं। वे से हरियाणा में इस चुनाव में राहुल गांधी प्रचार से थोड़ा दूर रहे। वे अंतिम तीन दिन ही प्रचार में उतरे बहुत कम चुनावी सभाएं कीं। उनके मुकाबले प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी ने हरियाणा में अधिक सभाएं कीं ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया। भाजपा ने अपनी पूरी ताकत हरियाणा में लगा दी थी। यदि दूर्वासा पार्टीओं की बात करें तो इनेलों, जिसका कांग्रेस ने नकार दिया था। आगे आदमी पार्टी को 1.65 प्रतिशत वे आसपास वोट मिल रहे हैं, जबकि इनेलों 4.52 प्रतिशत वोट ले रहे हैं और बसपा ने भी 1.63 प्रतिशत वे के आसपास वोट लिया है।

शारदीय नवरात्रि: खुले उपासना जाने पूजा वि



पूजन भी करते हैं। साथ हो इस दिन किए जाने वाले कुछ ऐसे उपाय भी हैं, जो आपको जीवन में सुख-समृद्धि और माता की कृपा दिलाते हैं। इन कार्यों को करने से जीवन की कई मुश्किलों से आपको छुटकारा मिल सकता है। आज इन्हीं उपायों के बारे में हम आपको अपने इस गीत में जानकारी देंगे। आचार्य गणित मंशेश तिवारी पाठ्यक्रमाली

भाजपा का नया गढ़ हरियाणा और कश्मीर में लोकतंग की सुखद वापसी

काग्रस का दृष्ट स दख ता
लोकसभा चुनाव में संविधान और
आरक्षण बचाने तथा जाति
जनगणना का जो नरेटिव कुछ
राज्यों में जबर्दस्त ढंग से काम
कर गया था, वो इन विधानसभा
चुनाव में फेल रहा। इन नतीजों
का कांग्रेस के लिए सबक यह है
कि अगर राज्यों में किसी एक
नेता पर आंख मूद कर भरोसा
कर कमन उसके हाथ में देने और
बाकी की उपेक्षा की जाए तो खेल
बिंगड़ जाता है। लोकसभा चुनाव
के ठीक चार महीने बाद हुए
हरियाणा और जम्मू कश्मीर
दो नतीजों के बीच तो

तक छुटपुट सफलताआ स ज्यादा हासिल कुछ नहीं होगा। मोदी और भाजपा को हिलाना इतना आसान नहीं है लोस में भाजपा द्वारा सविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने वाला दांव विधानसभा चुनावों में इस नहीं चल पाया, क्योंकि वो नरेटिव एक आशंका पर ज्यादा आधारित था। हकीकत में वैसा कुछ हुआ नहीं और शायद होगा भी नहीं। हरियाणा विस चुनाव के नतीजे काफी कुछ 2023 में हुए मप्र विस चुनाव से मिलते हैं। मप्र में भी कांग्रेस माने बैठी थी कि जनता उसे ही जिताने वाली है। यहां तक कि दोनों दलों के बीच भी यही अंतिम बात है कि कौन जीता।

करा। वहा हाता दख भा रहा हा।
सार्टी ने न केवल अपना वोट बैंक
बचाया बल्कि उस जाट लैंड में भी
संरेख लगा दी, जहां से कांग्रेस बंपर
समर्थन की उम्मीद लगाए हुए
थी। हरियाणा के यादव बहुल
अहीरवाल अंचल में भाजपा की भारी
जीत के पीछे भाजपा द्वारा मप्र में
एक यादव डॉ. मोहन यादव को
मुख्यमंत्री बनाना भी बड़ा कारण
हो सकता है। दूसरी तरफ कांग्रेस
ने बेरोजगारी, किसान आंदोलन,
अग्निवीर जैसे मुद्दे जोर शोर से
ठाठाए, लेकिन मतदाताओं ने उन्हें
खास तवज्ज्ञ नहीं दी। इसका एक
मौजूदा विषय है कि

पर हा ज्यादा रहगा। वस भा केन्द्र की मदद के बगैर जम्मू-कश्मीर में सरकार चलाना नामुमकिन है। हालांकि वहाँ भाजपा के सरकार न बना पाने से यह संदेश दुनिया में जरूर गया है कि राज्य के लोग अभी भी धारा 370 हटाने से खुश नहीं हैं और इसके अलग-अलग कारण हैं। अलबत्ता सकारात्मक संदेश यह है कि आंतकवाद से प्रभावित इस राज्य में चुनाव निष्पक्ष तरीके से हए हैं और लोकतंत्र मजबूत हआ है। अहम बात यह है कि जो तत्व कभी



कुछ संकेत साफ हैं। पहला तो यह कि देश में गुजरात और मध्यप्रदेश के बाद हरियाणा ऐसा राज्य बन गया है, जहां भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) लगातार तीसरी बार सत्ता में लैटी है। यानी उत्तर भारत में हरियाणा भाजपा का नया मजबूत किला बन गया है। नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस भविष्यवाणी को भी हकीकत में बदल किया कि हरियाणा में कांग्रेस का हश्च मध्यप्रदेश जैसा ही होगा, वैसा हुआ भी। दूसरा, लोस चुनाव के नतीजों से सबक लेकर भाजपा ने अपनी रणनीति में कई बदलाव किए, जिसमें टिकटों के बंटवारे से लेकर बाहरी नेताओं का समावेश और गोटों का प्रति जाट ध्रुवीकरण शामिल है। नतीजों ने यह भी साबित किया कि कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने किसान, जगन और पहलवान का जो नरेटिव सेट किया था, वह सतही लेना भी गलती थी। कांग्रेस की दृष्टिकोण से देखें तो लोकसभा चुनाव में संविधान और आरक्षण बचाने तथा जाति जनगणना का जो नरेटिव कुछ राज्यों में जबर्दस्त ढंग से काम कर गया था, वो इन विधानसभा चुनावों में फेल रहा। इन नतीजों का कांग्रेस के लिए सबक यह है कि अगले राज्यों में किसी एक नेता पर आंखें मूँद कर भरोसा कर कमान उसके हाथ में देने और बाकी की उपेक्षा की जाए तो खेल बिंगड़ जाता है। यह हम इसके पहले मध्यप्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में देख चुके हैं। जहां पार्टी ने क्रमशः कमलनाथ अशोक गहलोत और भपेंश बघेल पर असंदिध भरोसा किया और हाथ आती सत्ता फिसल गई। इन परिणामों का कांग्रेस और खासकान राहुल गांधी के लिए बड़ा सबवाल यह है कि जब तक वो संगठन का ऊपर से नीचे तक नहीं कर सके, उसका लड़ाकू तेवर पैदा नहीं करेंगे, त

यह भी एडवांस में तय हो गया था। पोस्टल बैलेट की गिनती में कांग्रेस की बढ़त को पार्टी ने कुछ देर के लिए पूरा सच मान लिया। जबकि भाजपा ने बूथ मैनेजमेंट, लाडली बहना योजना और अपनी सफल चुनावी रणनीति से कांग्रेस के अरमानों पर पानी फेर दिया। कुछ ऐसा ही हरियाणा में होता दिख रहा है। भाजपा सरकार के प्रति 10 साल की एंटी इनकार्ब्सी के बावजूद लोस चुनाव से पहले ओवीसी नायब सिंह सौनी को सीएम बनाकर पार्टी ने जहां लोस चुनाव में हुए राजनीतिक नुकसान को कम किया, वहीं विधानसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार कर दी। खास बात यह है कि हरियाणा में विस चुनाव के पहले भाजपा ने ऐसी काई बड़ी रेवड़ी भी नहीं बांटी, जैसे कि मप्र में बांटी थी। भाजपा की रणनीति साफ थी कि प्रभावशाली जाट गोटों का बंटवारा करो और एंटी जाट गोटों को भाजपा के पक्ष में गोलबंद

गोटर इन मुद्दों पर अपनी राय लोस युनाव में पहले ही व्यक्त कर चुका था। अति आत्मविश्वास भी कांग्रेस को ले ड़ाया। हालांकि यह कहना कठिन है कि अगर वो दूसरी जाट पार्टियों और आप के साथ गठबंधन करती तो नतीजे बदल सकते थे। लेकिन चुनाव के दौरान दिलत नेता कुमारी सैलजा की नाराजी कांग्रेस को डुबो गई। हालांकि बाद में राहुल गांधी ने सैलजा को मनाया, लेकिन उबल तक देर हो चुकी थी। सत्ता पाने से ही सीएम पद की लड़ाई का जनता में गलत संदेश गया। वैसे यह लड़ाई भाजपा में भी दिखी। वहां अनिल विज ने सीएम पद की राष्ट्रवदारी ठोक दी थी, लेकिन उसे केसी ने गंभीरता से नहीं लिया। यह तय है कि सीएम का ताज नायब सेंध सैनी को मिलेगा। यानी मप्र की तर्ज पर भाजपा हरियाणा में फेर ओबीसी कार्ड ही खेलेगी। उधर जम्मू-कश्मीर में भाजपा का सरकार बनाने का सपना दूर की कौड़ी ही

को ही नकारते थे, वो मजबूरी में ही सही पर लोकतंत्रिक प्रक्रिया में लौट रहे हैं। एक बात साफ है कि राज्य में जो संवैधानिक बदलाव किए गए हैं, उसका राजनीतिक और सामाजिक असर भी हमें जल्द दिखाई देगा। इस बात की संभावना कम है कि जम्मू कश्मीर की अवागम आए दिन आंतकी हमलों, पथरबाजी और बंद के दौर में लौटना चाहेगी। इन नतीजों ने एगिजट पोल की विश्वसनीयता पर फिर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। जम्मू कश्मीर में तो नतीजों सर्वे के हिसाब से आए हैं, लेकिन हरियाणा में तमाम सर्वे फेल हुए हैं। राजनेताओं को भी समझ आ गया है कि सर्वे के आधार पर मन में लड्डू भले फूट रहे हों, लेकिन हकीकत में पूरे नतीजे आने के बाद ही लड्डू खाना और बांटना चाहिए।

शारदीय नवरात्रि: खुलेंगे उन्नत के द्वारा करें मां महागौरी की उपासना जाने पूजा विधि, मंत्र, भोग और पौराणिक कथाएँ

शारदीय नवरात्रि के पव के दारान अष्टमी तिथि का बड़ा महत्व माना जाता है। कई भक्त इस दिन कन्या विशेषज्ञ ज्यातिष्ठाचार्य नवरात्रि त्रिपुरा अष्टमी तिथि को जलाएं धी का दीपक शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि

लग जाता ह। माता महागारा का स्वरूप देवी महागौरी की चार भुजाएँ हैं और वे वृषभ की सवारी करती

जसक कारण उनका रग काला हो गया था। उसके बाद शिव जी उनकी तपस्या से प्रसन्न हए और

बन्द वा। अष्टत वा। माथ
चन्द्रार्धकृतशेखराम्। सिंहारुढा
चतर्भजा महागौरी यशस्विनी-पर्णन्द

‘नो लुक शॉट’ के बाद हार्दिक पांड्या के रिएक्शन से इंटरनेट पर मचा तहलका

गवालियर में रविवार रात टीम इंडिया के ऑल राउंडर हार्डिक पांड्या के खेले 'नो लुक शॉट' ने लगाया। इस शॉट के बाद क्रिकेट जगत में हार्डिक पांड्या के मूर्खमेंट को धमाके से शेयर किया जाने

हैं, जबकि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने चार बार छक्का लगाकर टीम इंडिया



ना लुक शाट का बहतरान मना गया है। राशिद खान ने जब शारजाह में आयरलैंड के खिलाफ 'नो लुक शॉट' पर छक्का लगाया था, तब भी इंटरनेट पर तहलका मच गया था। आईपीएल जैसी

चौथी बार किया। रविचंद्रन अश्विन भी ऐसा चार बार कर चुके हैं, जबकि आशीष नेहरा, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर और हार्दिक पांड्या ने ऐसा तीन-तीन बार किया

है। गवालियर में जीत के साथ ही भारत ने टी-20 सीरीज में 1-0 से बांग्लादेश पर बढ़त बना ली है। अब अगला मुकाबला 9 अक्टूबर को दिल्ली में होगा, जिसमें भारत की दर्ज कर सीरीज को जीतने की कोशिश रहेगी। वैसे, टेस्ट सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया के हौसले बल्द हैं।

